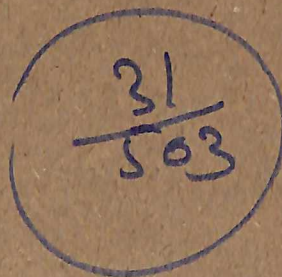
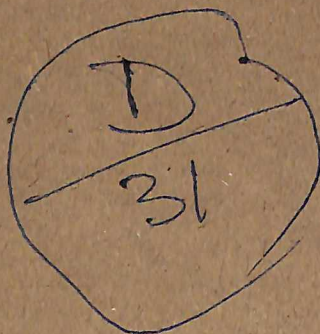


D.

No. 31

24 p.



26

L

भद्रविष्णुभूयस्ते ॥ परिश्रुतं परिश्रुतं
 डि भद्रं ॥ कुविष्णुः प्रवेय उभयिभुवनेषु
 भद्रविष्णुदिता नभं गीभउ उगणय नउ
 यययुवे ॥ उरु भउउनेभे वरुहं उवणनेभ
 वउउणनयुं मडभू कसउभुण निमीदमनृनं
 भायं मिवेनः भुभनरुव यउ उभुः सिवउभमि
 वंरुवउणनः सिवमगृया उवउयनेभकु
 एनेवने ॥ डिनेभेदिगृया दवेमनृदिमं
 मपउयनेमे नेमेवकुहैदरिकेसहः भमुनंभ
 उयनमः नमः मिषिदपुणय डिषीभउ पषीनं
 भउयनेमे नेमेवकुमय हपिनेननं भउये
 नेमे नेमेदरिकेसयै धवीडिन भुभू नं भउ
 येनेमे नेमेवकुसुदहै एगउभउयनेमे नेमे
 दहै यउउनीयने कुहं भउयनेमे नमः भ
 उय दहैय दननं भउयनेमे नेमेगेदिउ
 यभुपउय वकुं भउयनेमे नेमेभनृल्लव
 मिहय ककुं भउय नेमेवकुय वरिव
 उये धवीनं भउयनेमे ॥ नमभुनयउ ॥

सुद्धय भद्रं पश्येनमे नमः सुद्धय भद्रं
 उपडीनं पश्येनमे नमः भद्रं भद्रं निद्रा पिन
 उद्विनीनं पश्येनमे नमेनिधदि नीकृत्तय
 मुनभद्रं पश्येनमे नमेवाद्रुतपरिवद्रुतमुद्रुतं प
 उयेनमे नमेनिमराय परिमरायः भद्रं पश्ये
 नमे नमेनिधदि ल उधुपिभत उधुगं पश्ये
 नमः भद्रं यिह लिपं पश्ये भद्रं पश्येनमे
 नमः भिभद्रं नक्राद्रुतः भद्रं पश्येनमे
 नम उधुपिधिलिमाय उद्राद्रुतं पश्येनमे ॥
 नम उधुद्रुत उद्रुत सुवेनमे नम उधुभद्रुत
 यिद्रुत सुवेनमे नम उद्रुत नहः गीद्रुत नह
 सुवेनमे नम उय सुद्रुत सुवेनमे नमेविम
 लद्रुत विद्रुत सुवेनमे नम उधुद्रुत सुवे
 नमे नमः मय नह उमी नह सुवेनमे नम
 भद्रुत सुवेनमे नमः भद्रुतः भद्रुत पति
 ह सुवेनमे नमे सुद्रुत पति ह सुवेनमे नम
 ह पिनीह विविद्रुत सुवेनमे नमे उग ह
 भुंङ्गी ह सुवेनमे नमे उद्रुत पति ह सुवेन

५५
 म

CC-0. Dogra Art Museum Jammu. Digitized by eGangotri

५५.

CC-0. Dogra Art Museum Jammu. Digitized by eGangotri

यम नमः पदुयमपदुमपदुयम नमस्तुतिपदु
 उमप्रीपदुउम नमोद्विउमपदुगमपदुयम
 नमस्तुतिपदुयमपिपिपदुयम ॥ नमोवकिमिकि
 हेमवानं हृमयहे नमोविक्लीलकहे नमोविमि
 वेहे नमस्तुनिदउहः दुपपुनममउ मरि
 दुनीलेनेदिउ पुमपुननमपं पदुपदु ॥
 धं पदुनं मकदुनः किदुनममउ ॥
 मरुदुयउवेमकपदिने मयदुगयपुठा
 मरुमरी यमनः मममदिपुपरे मउयदवि
 मं पदुपमपमिन्नन उगम यउदुमिव
 उः मिवमिवमुदुधमली मिवदुमुठव
 एनी उयनेमदुएनीवमे ॥ पमिदुमुदुति
 चउपमिदुधमुदुमउपययेः पुवमुग
 मपवहमुनमुभीदुमुकय उनययम/दु
 भीदुधुममिवउममिवेनः ममनपवपमव
 मउपणत्रिणय दउिवमन उमुगपिनकंविदु
 दमुगविमिदिमुविलेदिउ नमस्तुपुमुठगवः ॥

नर
 मं

यन्मुभदसं दउयेयमिन्निवधत्तुः ५: मद्रभूणः
 मद्रभूणिदेउयमुववः ५: भूमाभीमनेठगवः
 भग्मी नग्मापत्तुः ५ ॥ सुभभूतः मद्रभूणि
 यद्रुचिण्डुभूमा उवंमद्रभूयेएनेवण्ड
 निउममि, यमिन्म दहलेवेउरिक्कठवचिण
 उवं १९ येनीलणीवः मिडिकठ मिंवद्रुः ५
 धामिडः उवं ३ येनीलणीवः मिडिकठ
 मवपणः कृममरः उवं ५ येवनेधुमिधि
 द्मग्नीलणीव विनेदिः उवं ५ येवेष
 विविष्टिधमधिवडेएनन) उवं ७ येव
 कभपिपउयेविमिपमः कथिद्रः उवं ७
 येवषीकं पविगन् योण्ड भद्रयद्रुः उवं ५
 येडीकुनिभूमगतिभक वडेनिधदिः उवं ७
 याण्डवेउवद्रुयंभेवगमिमेद्रु विउधि
 उवं १० ॥ नेभमुद्रुयेयमिपियमं वद्रुमि
 भवभुहेद्रुमभूमी द्मममिक्क द्ममभूमी
 द्ममेउमीमी द्ममेमी द्ममेव भुहेनेभमुद्रु

उनेम १ यनु उपदिभे यस्नेकुधि उमधं एभुम्
 एमीम ० नेमपुमुने हे येमउगिने यमं व ३ ५
 वमुहेमभमीमममि ७ मभगीमीममेमी
 मीममेवमुहेनेमपुमुनेम १ यनु उपदिभे
 यस्नेकुधि उमधं एभुम् एमीम ९ नेमपुमु
 हे येमपिहं येमभमिथवमुहेमभमी
 मममि ७ मभगीमीममेमीमीममेवमु
 हेनेमपुमुनेम १ यनु उपदिभे यस्नेकु
 धिमुमधं एभुम् एमीम ३ ॥ २ ॥ भीयधं
 सुमिगेमलिः काउले भीयधकुभुवददी
 यधकुउमभरउगउः भीयधरगउः
 मंभीयधभयापभुवदवः भीयधनकी
 भाय भीयधववकुलरदरुः भी ७ उ
 म ३ ३ यः ॥ ३ ॥ उमभकुहममवमिथे
 कम्ममवकुवः सुसुकुय ३ यमिथय
 मदीमममनः गेमुदिउभुवउम ॥ २ ॥

मउ
 पः

वि० भादपूर्य उवमेकपक्षिने कपड्डीगय प्ररुम
 केमते यवतः मममदिभु मममउ ममे विमं भुंग
 मममिन्नन उग्मा भुनेनेनेनेमयभुगिन्नयवि
 ड्डीगयनममविणीमते यमुद्वियेसुभनगयेल
 भित्तउसुभउवमदुभलीतिप्र, प्रसुभतेभुमतिं
 य द्वल्लयकयडीसु उवमदुमीदुः भुभयनिदि
 भेपुममममगिभिवीग लुल्लवमउदविः।
 डुयं वयं रुंयल्लमममभुं विभवमनिदुय
 भदे, मिवेवगदभममदु भांनने डुयं भुंभव
 भानिदुयभदे, दमुतिद्विद्वयल्लवीद। मम
 वमसुदिगममहं वियंमउ। उमंभिडेभदउभुसुडे
 वमः भुदुभुमीयेदुयवचनम। रभुमनेप्रम
 उभुदेएने डुनेडेकयउनययभाद भुदुभ
 भुहंमदुउममुकउंउवपकुनममकेभादिमउ
 उममममदुभा भनेमदउभुउमममपदुके
 भान उवउभुउममन उकिउभा भनेवणीः पि
 उभउमउंभनः प्रियभुनेदुमीगिधः। भ

नमुयेतनयभाननुयेभानगेधुभनेमुमुभगीरि
 धःवीरानुनेदइठभिउवपीदिविभुतेनमभावि
 तमउउपउभेभानमुपउवकांगभुगीपउददउंभु
 भुभुभदिदइदिउभुभउभुभुयउभुवयभवउउ
 वलीभद, उउउगेभभउभुभभं कयडींभुभ
 भभउउमुभुभुभनेभपिमभुदिदेवषासनमभ
 यमुविवदः पूवेसभानेवेभभानवभुवःमभ
 उनेदहंभेभभउउवेभिडेवभुलेभभभउभ
 मिडिःभिसुःपविवीउउहुः ॥ विदुभभुद
 देनभुभेभवेदेवउंभभभउंभभु यमभेभ
 उगभलेयभुमभुयःउंभभविभुउपभिनभु
 भःदेवभेभभुयउंभभभभुडिगीयभुयउं
 डिगीयभुडिगीयभुयउं इगीयःमउउभुभु
 यउं मउउःभंभभभुयउं भंभभःभभुभु
 भुयउं भभुःभभुभभुयउं भभुभभुभुभ
 भुभुयउं भभुभानवभभुयउं नवभभमभ
 भुभुयउं मभभभभभभभुयउं देवभभु
 कभभभुयभुभु उउउठव उउउभभु उउउभ

म.
 ६.

CC-0. Dogra Art Museum Jammu. Digitized by eGangotri

五

[illegible]

भउमं वृयप्रभा सुहिगोहलिभदभागधमनेस्ये
वीरः सउभवृगिदुः सुः सुवनः भूउनभरवेष्टेभ
कंभेनमवतुभयदु उद्राधनेउव) दभयिद
लिनेयदुः भुना उभेमः देवभननभरिठद
जीनंमयतीनंभदेउयनुभष्ट उद्रुभवाभुवद
मभुगदुः सुमिदुनंभदुंमचउगुभा भदभ
नभउवनसुवनदुः भेववनंमयउभमभुउ
सुभकंभिदुभमउभपुलेभुभकंयुः भव
भुमयनुसुभकंवीग उउगवदुभनमेव
मयउठेभ ॥ सुदुष्टेसु मिदुष्टेसु भदुष्टे
सुदुष्टेसु भदुष्टे उपसुदुष्टे सुदुष्टे
भदुष्टे भूतिभदुष्टे भिउसुभमिउसु भरगद
उसु भउसु पूवसु वदसु एउम विणउम वि
एगय एउसु भदुष्टे भनलिसु भुयलिसु भिभ
इसु सुवेभमिइसु गलंगंमकम एउदुम
उयलः भदुष्टेभः भूतिभदुष्टेभ एउनभि
उभसु भमिउभनेपुदु भरगभमदेउयदु

गृहिभित्रिद्वैवी चीमेभन्तेवदुने यषेकुंरुवी
 विमेभन्तेवदुने ठवेत्रीभन्ते यषेभन्तेवै
 सु विमेभन्तेवदुने सुवदुने ठवत्रु ॥ वर
 सुमे भुभवसुमे भयतिसुमे भुभतिसुमे पीति
 सुमे सुसुमे भुगसुमे सुकसुमे सुवसुमे सु
 तिसुमे सुतिसुमे भुसुमे भुसुमे सुतिसुमे
 , पनसुमे, भुसुमे सितासुमे उपीतासुमे वर
 म भनसुमे मकसुमे सुहासुमे सुहासुमे चन
 सुमे सुहासुमे भनसुमे सुहासुमे उतिसुमे म
 सुमे वरसुमे, सुनिसुमे, भुनिसुमे भुनिसुमे
 सुमे मगीगलिसुमे सुपसुमे सुपसुमे ॥
 सुभुंसुमे सुपिसुमे भनसुमे सुभुंसुमे
 मसुमे, भुसुमे सुभुंसुमे भनिसुमे वरिभ
 सुमे भुविभन्ते वरसुमे सुभुंसुमे व
 सुमे वरिसुमे भनिसुमे सुभुंसुमे सुभुंसुमे
 म सुनासुमे सुनिसुमे भनिसुमे वरसुमे
 सुभुंसुमे सुभुंसुमे भनिसुमे सुभुंसुमे सु

म
 म.

CC-0. Dogra Art Museum Jammu. Digitized by eGangotri

सुमे भद्रसुमे पञ्चसुमे ॥ प्रसासने भद्रिक
समे गिर्यसुमे पवडसुमे भिकडसुमे वनभुड
यसुमे दिग्द्वसुमे; यसुमे भीमसमे इधसुमे सु
भासुमे लेदितायभासुमे; पिसुमे उपसुमे वीर
एसुमे अथयसुमे नयुपसासुमे; नयुपस
सुमे गणसुमे भसवउरसुमे विडासुमे वि
डिसुमे सुडासुमे इडिसुमे वभुसुमे वभडिसुमे
कससमे मडिसुमे; सुसुमे अमसुमे उडस
मे गडिसुमे ॥ प्रपिसुमे उडसुमे भेमसुमे
उडसुमे भवितासमे उडसुमे भगवतीसुमे
उडसुमे प्रयासमे उडसुमे वडसुमे उड
सुमे भिडसुमे उडसुमे वनसुमे उड
सुमे पडासमे उडसुमे इधसमे उडसुमे
भनडसुमे उडसुमे विसेदेवासुमे उडसुमे
पधिवीसमे उडसुमे सुतरिकसमे उडसु
मे उडसुमे उडसुमे भभासुमे उडसुमे नक
डालिसमे उडसुमे निससुमे उडसुमे ॥
संसुमे रमिसुमे मण्डसुमे; गिभडिसुमे
उपंसुमे; उडसुमे अडसुमे ववसुमे

म.
म

मेरुवरु...सुमे सुसिन्धुसुमे प्रसिन्धुसुमे सुसु
 मे मङ्गीसमे सुगयनसुमे कुलकवेसुमेवसुमे सुव
 सुमे वेसुनरसुमे लङ्गुगसुमे वेसुमेवसुमे मङ्ग
 इतीयसुमे मङ्गद्वियसुमे मङ्गद्वियसुमे मङ्गभुजसु
 मे मङ्गीवउसुमे दगेयनसुमे भुवसुमे मङ्गम
 सुमे उष्टसुमे मङ्गसुमे ॥ वयहानिसमे मे
 कलमसुमे प्रउहसुमे, प्रउहसुमेगव...सु
 मे पिधव...समे, ववहवसुमे भुगकसुमे
 उष्टिसुमे मङ्गसुमे, कसुमे प्रउसुमे मङ्ग
 सुमे, सुमेणसुमे पधिवीसमे, मिडिसुमे मि
 डिसुमे सुसुमे मङ्गीगदुलयेमिसुमे य
 हिनकल्यउभा प्रउंसुसु मंवङ्गसु उय
 सुदेगदिसुवधुवै वउदसुउगस यल्लन
 कल्यउभा ॥ दियविसुमे दियविसमे मिह
 वादुमे मिहदीसमे मंसविसुमे मंसवी
 समे दियविसुमे दियविसमे उहवादुमे उ
 हदीसमे मङ्गवादुमे मङ्गदीसमे उहस

मे वसाममे, नकुंममे एनममे एधरुममे वदममे
 एकममे तिमममे इयममे इयमिमममे मउम
 ममे, भुममे, भुममे, भुममहमिममे ॥ वरु
 म भूमवम; पिमम रुउम वाकमिमु वमम
 भुमे भुमे भुमे यमने वमन भुमे भुमे वने रु
 नमु भति: भुमभतिगीपति गियतेग भिमे इय
 उमि यमन उलेह वमिह भुमननु पिम
 हय; यदह नकलयं मनेयह नकलयं भु
 ले यह नकलयं मकदह नकलयं मेडुय
 ह नकलयं मकदह नकलयं मेडुयह
 नकलयं वणह नकलयं उडुयह न
 कलयं रुडुयह नकलयं पडुयह नक
 लयं यह पह नकलयं मक भुमम भु
 मम यडुम वदम गभउम भुमवपुग
 म भुमभेउ: भुमभुवनमउ भुमवपु
 ह ॥ वरुभुनभुमव उडिमल विमुम
 भुमभेउ विमुभुजी विमुठवपुय: भीमभु:

म.
 ५

विष्णुभक्तवत्सलमगमविद विष्णुभक्तवत्सलं
 वल्लभमिना। उभावप्युक्तवत्सलं वल्लभं
 ममभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं वल्लभमवि
 श्वैवेवमभुक्तवत्सलं वल्लभमभुक्तवत्सलं
 ममं वल्लभमभुक्तवत्सलं विष्णुभक्तवत्सलं
 भुक्तवत्सलमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 वल्लभः भुक्तवत्सलमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 कल्ययति वल्लभमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 मवत्सलमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 पविष्टः ममभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 मभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं
 भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं ॥ भयः पविष्टं भयमभुक्तिमसुखमेवभक्तवत्सलं

五

लुवम उरुधरममदुधरमभवन्म केरुधमगति
 भिरुवेमयेकुव ८३ नगरमंष्ट्र परिमरुति सत्रु
 मद्रमठवति मद्रुठउवा उमुवभित्तिथु ॥ ३३
 गमुउमति मद्रुमैचरुवति मुमैमिह मप्रहगेद्व
 ति मेमभेपेधुंमदं ममुकभेननिचयेमु मेवैव
 लुमुधमैवउधमवः प्रयमुमवम वउं पमु
 विउंदयउ इमभवउउउ मेमभदंमदंनिचयेमु
 धुनंश्रीदीष्ट मदिमगत्रुमेव उमंभूएनमणि
 पतीरुमैप्रिगिभतिचपुमुमचपुमु ममेपिभति
 मवेनंनिदुष्ट दमुयपिमुगति कपुनंश्रीदी
 णंरुवीति कपुमिववैममुमेम ३ नैवैंगुद
 यति मरमयंरदिः मीउ वैलीउक ८ प्रैविठिउ
 मेमभदंमदंनिचये ॥ ३३ इउयैव दिगीयउ
 यव इमुचमभंमचैधु मचं मुकनंश्रीदीष्ट
 धुमचदु धुनभचं मरमयमदिमचं मद्रुमय
 मचं वैलीउक भिपुमुचमवुमु वकमुमेवै

五

स्तंभेदसभा ॥ विदीक्षयः परिभाषितः ॥
 मेते भूयः पट्टयवमेव लिखितं भवतु भवति
 रगस्य यवकुल्लेपः ॥ दीक्षयः विदुः
 विभृष्टी दीक्षितः भृष्टिपद विदुः रगस्य भवेति
 भद्री दीक्षितः भृष्टुः पट्टवः भवद्वरः भव
 द्वे विदुः रगस्य भवेति रमणी दीक्षितः भृ
 द्मस्य रगस्य विदुः रगस्य भवेति द्वे रमणी दी
 क्षितः भृष्टुः रमस्य भवः भवद्वरः भवद्वरे विदुः
 रगस्य भवेति द्वे रमणी दीक्षितः भृष्टे
 रमस्य भवः भवद्वरः भवद्वरे विदुः रगस्य भवे
 ति भवद्वर रमणी दीक्षितः भृष्टुः रमस्य भवः
 भृष्टये रमस्य भवः भवद्वर भृष्ट भवद्वरे विदुः
 रगस्य भवेति सविमर्दि रमणी दीक्षितः भृ
 द्मविमर्दिः भवद्वर भृष्ट रमस्य भवः भवद्वरः
 भवद्वर भृष्ट भवद्वरे विदुः रगस्य भवेति ॥
 भवद्वरी क्षितः भृष्टे रमस्य भवः भवद्वरः भवद्वरे
 विदुः रगस्य भवेति सविमर्दि रमणी दीक्षितः भृ
 द्मविमर्दि रगस्य भवेति रमस्य भवेति रमणी दीक्षितः भृ
 द्मविमर्दि रगस्य भवेति रमस्य भवेति रमणी दीक्षितः

子



दुगभज्जिचिवाडिल्लेव कुमयभदिधवाभग
 कीरिल्लवण्डेडियमुमुल्लदुयमुमचम
 तिल्लिदुमुकुदमगल्लेवगल्लभदिमेदुत्रि
 वयल्ल ॥ उकुपल्लेनदोहकेवपुत्रिमुकुल्ल
 वेनंभकुमणिनिगवयल्लउउउमुपकुमुय
 मगभिधुकउमुदोहयवेदमुमुमिमुय
 भवसिमिदुमुपुडिहहवयल्लउपमुवपुत्रि
 उउदिठगणयंभेपुडिभयल्लभनंमेवपुदं
 मष्टयडियमुउमिदुयंदोडिठगणनेवेनं
 मभय ॥ उमुमेवेभुनेलेकंमुउमुल्लय
 उमुभणभासुमुमेमजीभलेभगभमसुके
 ठवउमुकुदंमुमुकुपल्लेनदोडिभयेनिह
 ययमुमुहउमुभासुपमुनंमुमुःभूमः
 भमुगल्लभडिउउडिभासुत्रियउउभाभु
 यल्लभनंवमयेमेवउवेमेवउमुमुमुकि
 रवमुनंलेकमेउउवेमेवउमुठिमगलीय
 यमुमुहउमुयल्लभवेल्लभुमगभीहउह
 एवेनंमेवउहउवमुडिउल्लकुपउडि॥

श्री.
 श्री.

उधलभा विं कु भू भू भावमात्रा सु गायत्री म
मिरभुषा दंष्ट्रा भुये ल भिष्टुति जैवम ल्प म द्वा ल भा
ठम्री ठवति थल्ले प्यः भनितं भू येष भवयस्
दग्निहृष्ट ल भयस्ते ह्यभितुः उरणयति येनं
वद्वयं स्त्वमी सुभा उवै भस्ते हते ल भी उभू सु
मुदिस्ते भिनः नउभमिडि ले यति नयस्ते हित्ते
भउमः भउभभुपिगमुति हृणी हसभं भमभ
विगलं विभले सुकुं हिमपुष्ट भुम भुवभा पष
वमरमं ठे भं वल्ले वं उषे वम दनं ममिरभम
ले सुकुवति डः भमः यस्ते वमं सुविष्ट सु हउठ
वभकल्लयन) वक्रु दय विवमेगः भू भेगु
नस्ते गः दंष्ट्रा भुये ल भिष्टुति भवयः प्यः भु
मु उ य भुवे यल्ले भनमु द्वा उ द ह ल भकः य
ल्ले भनं पं थिं ले गी व भू उ उ गे य उ) द्वा उ
द ह ल भी उ यल्ले भउति हित्ते उ न भनिलिड
लेकः भउमे दमम सुउः यस्ते भं थि विवो
म हू भवरे वृ ल्ले हू द्वा उ भं उ य ह दं थिं
(इति ठ्वीति भनवः भव उं सु भमिष्टु हित्ते

भभीभरुवेण भसुसुःभवभपेहददुभभु
 भंउलभा गदुभंभकंमम नेमयभवउरुने उरुं
 भविहंभुंमगुहंमनिहमःभवभभुदगि
 हह भवकुउदिउउःठिभमीनिगदभुगेददु
 ठेठेठिउदिभुयःठभमयीहभवमं उइवममं
 गउःहीहोउनिभविहलि यभुवाउिमानेहमः
 ठभरुमं ठगवेठेठिउउठेठिउदिभुयःभुपीह
 विगिवभुंकिभभुहभुभुभुउि गठिउभुभुले
 दउःभदिभुभैःभुभुंठगवउंएभभुभु
 गगिभभीमानंभभुउिहदठगवग ॥ भभुं
 भीहगुभभंमगहभुयंभहभुभुदंविग
 यभेभुनेठभमयभयनेददुभुयीभभुउ
 भवभपेःनिहंभुनीनिहयंभुभवीजीनिहं
 मउठभनकभभुनीददुभुभुभुवभीमान
 भुगंयगडिभुनेउभभंभंभुमीयभा ॥ भनभ
 देभनभभुने ॥ ठगवगभुभैःभुभुयः
 भभुभुयःभभुभुयःभभुभुयःभभुभुयः
 भभुभुयःभभुभुयःभभुभुयःभभुभुयः

श्री
 मे

[illegible]

शु

[illegible]

五

[illegible]

उभयेतिः सुयंभमिहू येननेरवीवडभिमाडिभपुं
सुभनवणिमिडाभासिडिडिडिमकरभहंविहू
हवतीभूडिवविभदउ सुनसुयेरुगणएणीवम
एहूवंभहउपभूतभा एणीवमउसुमगडिभ
ठडिमहूभहूनभयेनिः सुपसुमेपभविधद
भान भामपगमपविडिहूगउभा भमडीसीःभ
विप्रसीचभान सुवरिवडिडवनेधउः यागनाहू
करनंभेपुभवेरु यागनहूमजिदिगिउभ
डा भमहूदनापरिवीडिउउरुहूएनिचडि
भविहू। हूहूपिडाएनिडा नहिरहू वकुंभे
भाडापविवीभडीयभा। उडायेसुभेरेनिगु
गहपिडागदिउमहूभाणउ) पसुभिहूभम
उंपविहूः पसुभियहूहवनभूनगठिः पूसु
भिरुहूयुसुभूगः पसुभिवामः परभहू
भ ॥ उयेवमिः पगेभउः पविहू सुयंयेहू
हवनभूनगठिः सुयंभेभेवाभूंपसुभूगडेभू
यंवामः परभेहूभ ॥ भउचगहूहवनभूग
उविहूडिभुतिभूमिसविणमिहू उगीडिहू

स.
५.

CC-0. Dogra Art Museum Jammu. Digitized by eGangotri

विमलज्जभंतुवपउत्ताकाधभा विमुमेकेपुहिम
 पुसमीठि चुपिणिकभूमममनभभा महुनि
 वद्धगिभिउपमनिउनिविमुकुभं ययभनी
 धिलः उदडीलि निदिउनेदु पति उगीयंव
 मेभनधुवमति । उंभिउं वल्लभप्रिभाऊर
 धेहिहः भभुपलेगदमनो एकंमदिभुव
 ऊणवमहु उंभंभमउगिभुनभाऊः ॥२॥
 उभुनियनेदयः भुपल उंभेवभनमिबभुउति
 उभुवव इकमनमउभुमिदु उंभपिषवीवुउ
 दुममभणयसुभेक डीलि नठिनिक उउमि
 कउ उमिदु कं हिमउ नेमदु वधिउः धधिउ
 मल्लमल्लभः यभुभुनः समयभयेकुदउ
 विमुभुभुमिवदलि येगउ वभुविदुः भभ
 हः भभभुडी उमिदु उवेकः यदुनयल्लभय
 एउमव भुनिणभ लिभुवभंभुभन उदुन
 कं भदिभनः भभउ यउभुवभणुः भतिमवः
 भभनभउदुमकभुमे उवगुदिठिभुमिंभ
 लह एउउतिमिंविंएउउप्रयः ॥ उंभेभि॥

५.
 ५.

हिंमपलंवायमं व दनुमपादं रुचमिभषी
 नभा प्रणीपतेव धिहिभुयतुं भगभुतभवम
 लेदवीमि ॥ २ ॥ दविधुतं पेमयं स दनुमद
 मितीतिम प्रभुवभीयकं एधुमदमवेष्टेपे
 नति ॥ सुयंगह दित्तिमेदतिरुमिहेपीधितः
 सुमिः प्रतं एधुमवभीयं मिभुं भुमेउफिनि
 धज ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ तिमेठगवे ॥
 पुनं ॥ विकयपंमेन भंवा मसूजीय
 पुलेवत्तमभुमिमे प्रगभुमिभु ॥ २ ॥
 मसीमभमद भिदुमवड जे, गभुमदमिडि
 दिभुवतमा ॥ कयासुठः भवयः भनीदः
 ममत्तमभदः भमिभिसः कयाभगीऊत
 लः भाउत्ततिमुपं प्रपेवभुय कभ
 वरुलिदुधुदवनः केसुगेभदउउव
 वउ सुनउदुलउउ वउगिने केनभदभन
 मगीरभा ऊतभुमिभुमदिनः भवेकेय

五

हृयेभदेतेविरुनेयनिभुवभिन्नुमीसापधम ॥
 पमन्ममभउःभुभेपुइयन्मनःसूहभुक्रम
 इ॥ उइयत्तुभुभापयमहभापुभापयभु
 उउवेतिः। एवेमतेभुतिभनेसभानभुनसुः
 सुवप्येमयनःभापुभुभउसुवत्तुपुसु
 उभेसुमयभमज्जभा। केउभभदेउभभद
 वःभुयउनःभायीगसुभापयःभन्नि
 मिइभुपिवउयउ। एयंभुउनं वरुभउ
 नभा। उयभुवभुवभुनकदभभापु
 इभभुभुभः। एयवउभदेउविभभसुभा
 पुसुलिभगिउनेपवउ। एयवःभुभेभद
 उउयप्तीमभदभुभापुभुकेः। एय
 यभीभुउउयंविभुभभसु। एनप्तीव
 मभ ॥ ०५ ॥ विभदेभभुवपाभुनी
 उभुवभुनं विजीयएगजी ॥ विभदे
 ददेविचभुठिसुभुदभभिइउविभुम

三

एतन्मयिहैउवडीभादिभानमभुद्रव ॥ ३ ॥
 उिष्टनं ॥ ७ कुंभिहंभउदिहियुवउभा ॥ ७ उं कुं
 भिहंवदलमभिभुउये भानउंमतेभुमिडंदवभदे
 उषत्रमुनमुभवः भुननवेविमुभने चंदमेनि
 भिपउन। उउमिहउगडः भवउउयेकुउमेव
 कउउदेभमभुवः गवत्रमुन० । चकउनः भिउ
 १ः भभ्रवमन उउमेवीमेवभइकउकण गवत्र
 मुन० नगमंमंवाएनंवाएयविदकयमुीं
 पुषलंभुभ्रमीभादि गवत्रमुन० ॥ दमउमम
 भिउः भुगाहू पि मंष्टेउभनदिउं उमीभादि ग
 वत्रमुन० ७ कुं कुं च इदं लंममीपाडिं केलि
 रमदधिगकुमुउये गवत्रमुन० ॥ उमेभि॥
 मेवेउंमिहमिडिदिप उमेवमुउइयउमभु
 यमुन उवेभिहैवदलंमभउउममिडिः मि
 कुः पषिवीभउष्टेः ॥ ७ नं ॥ ७ मभिम॥
 उमभिंवलं उयमाहुलउं वीमनीकमद
 लभुदभुमा मुनं मेवीमगलभदंभुपुह
 भउमउमममः । चयेउयगयनहेमभु

सुमिठिगडिमुनलिविसुअंअपप्रीवकुलनेउ
 चीरुवायउकयनययमंयुःविमुनिनेमुन
 दएउवरुःभिवृपुनवदुगडिअमुपयेम
 कुवममगादएनेमकंवेसुविउइनुभा
 एउनगएउंभदभनभगभपिंउवपरभादु
 भएमुउ।भनःपदमडिमुनलिविसुअभा
 मवेमडिमुगिउहयिः।प्रदुदिकेभमभपुग
 मभनमदुउदहमुभउभादुपउतुंमभय
 मुभमहंमभेठगभयएभयदुमुगडिपि
 मउनगिराध्रीकेवनंनिधममभमभउमु
 वलमुदुपयंकुमिमभुःपरमंएगभ
 मवीवमभरिनयनुदवभुविमुअंभम
 वेवमडिभनेभदुमुउलंमुदुनएनवगभ
 नभमुभुउउ।भूलेदीवीभभुडीवल्लठि
 वएिनीवडीपीनभविदुव॥१३उिदु
 वःभुभुमपिउः॥१३।उलेमि॥१०उवेद
 मभुनवभमभभगडियउनिदुडिउवरुः
 भनःपदमडिमुनलिविसुअववमिउंमु

म.
 म.

2

五

7.

भतिभूतं गेठायद्विन्दु मययद्विन्दु वषभ
 दधमा चम्वंतीभिमवती प्रलयतीभिम
 मभा उविद्विभवा उधणीगमगतिधुतज्ये।
 यमेधपयः ममद्विन्दुगमनः ममिउ उव वि
 भूः ममद्विन्दुगमनः ममिउ उव वि
 उधणीनं गवेगेधु मिविउ उनिभानिधुतीभ
 नंउवपध, पतिविश्वः भारिधुः मेन उव क
 मममः उधमयः भूमि वुदमीद्विउतिभः,
 यउमउधुगमनम विविश्वः भारिधुः उभिय
 कं विउ उउभमममसीरिव, यमद्विन्दु
 विभा उधणीद्विउमम उधयकृ प्रनमति
 भगमीवपदेयस, निधुनिउभवेभउधे
 इभमिनिधुतिः भूगः पतिद्विन्नीः भूयम
 मयतिनिधुति भकं यकृ भूपउमयकी
 किमीविन, भकं वउमम उधमकं नमति
 दकय मववेमवमवे मवववम
 वउ उभमभं विमन उधम भवउ वमः
 मवपउतीगवमविवेउह मदि यालीवम

सुवर्भद नमरिहतिप्रदयः ०५ यः दलिनीद
 चदल संकेम केमिनीसुयः वदमदिप्रमुद
 भुनेभादुदुमः ०६ यस्मिन्मभमभुदियसु
 दंपरगडाः वदमदिप्रमुद भुनेभादुदुमः
 मः यस्मिन्मभमभुदियसु यमं विमु
 म्वा मुपिपउयसुमचि यम्पुत्रिदिमिवियाः
 यषिष्ट उत्रमुताउययः पणयतु ०७ म
 दभुणगेवडीमभसुरकिवे नके मपलिदुमु
 मसुतः उष्टमसे ननिमिधति कुलयः पमपम
 पमिनः भतिमउवः ॥ यदः ॥ भलिमुमेन
 भमिडेयेममभम उष्टममभमीकुमुव
 मभीकुमुवदुमभमिउदुभयदुमभुः भमसुः
 मप्रदयः मदयदोभुउनमदमवदमठवण
 यडीहेभठिः भुविमगमिहियुठंडमभुविम
 मि एणगडीभंभनभुविमभुनुभुदुमभु
 विमगमि पणदिं भमभुभुविमगमि ॥ ०८ य
 वदमठल यदुं विमुमेव नतिविहतिमु
 गः उत्रमुयउनुनः भवेउमदमभुभुने एण

१.
 म.

भूपगम्भुमणीवः ॥ जननमनुदेमनः, नैव
 नः कयेपगल्लिउपापनिवारः ॥ ॐ ह्युगिधु
 ठयठमपीननिवारः ॥ ॐ मिहउगिठैमेप
 म्वमनुॐ भदेधणिगल्लुगिठैपमनुः प्रीय
 ॐ प्रीतः मनु ॥ २ ॥ २ ॥

[Faint, illegible text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

